जय पार्वती माता जय पार्वती माता, ब्रह्म सनातन देवी
शुभ फल कदा दाता ।
अरिकुल पदा विनासनि जयसेवक त्राता, जग जीवन
जगदम्बा हरिहर गुण गाता । जय
सिंह को वाहन साजे कुण्डल है साथा, देव वधू जहं
गावत नृत्य करत ता था । जय
सतयुग शील सुसुन्दर नाम सति कहलाता, हेमाचंल घर
जन्ती सखियल रंगराता । जय
शुम्भ निशुम्भ विरादे हेमाचंल स्याता, सहस भुजा तनु
धरिके चक्र लियो हाता । जय
सृष्टि रुप तुही जननी शिव संग रंगराता, नन्दी भृंगी
वीन लही सारा मदमाता । जय
देवन अरज करत हम चित को लाता, गावत दे दे ताली
मन मे रंगराता । जय
श्री प्रातप आरती मैया की जो कोई गाता, सदा सुखी रहता सुख सम्पति पाता । जय |...